राज० पत्रिका 24/11/2021

राजस्थान एसोसिएशन फॉर स्टडीज इन इंग्लिश की वार्षिक काफ्रेंस आयोजित

निम्बाहेड़ा. राजस्थान एसोसिएशन फॉर स्टडीज इन इंग्लिश की 18वीं वार्षिक कांफ्रेंस अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार यूनिवर्सिटी कर्नाटक के समाज शास्त्र विभागा अध्यक्ष प्रो. चंद्रशेखर की अध्यक्षता व आईक्यूएसी कॉर्डिनेटर प्रो. इसहाक मोहम्मद की सह अध्यक्षता में रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय के तत्वावधान में हाइब्रिड मोड में सम्पन्न हुई। प्राचार्य डॉ कमल नाहर ने बताया कि मॉडरेटर की भूमिका कर्नाटका स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी के प्रो. संतोष नायक आर द्वारा निभाई गई। प्रथम विशेष तकनीकी सत्र का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से आयोजित हुआ। सत्र की शुरुआत डॉ. देवा राम द्वारा सत्र के अध्यक्ष, सह अध्यक्ष, कीनोट स्पीकर्स और मॉडरेटर के परिचय के साथ हुई। प्रथम कीनोट स्पीकर डॉ. संजय जोशी, विभागा अध्यक्ष समाजशास्त्र राजकीय महाविद्यालय नीमच ने अपने वक्तव्य में आदिवासी समाज में उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने वाले संस्थान जयस तथा भारतीय समाज के पिछड़े जनसमूह के अंदर उनके अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करने की ताकत जगाने व उनमें शिक्षा के प्रसार के मुख्य उद्देश्य के साथ भीम सेना द्वारा किए जाने वाले सकारात्मक कार्यों के महत्व को समझाया और साथ ही राजपूत समाज में छात्राओं के घुंघट छोड़ने की ईच्छा का जिक्र भी किया। सत्र के दूसरे मुख्य वक्ता डॉ मुख्तियार अली, सहायक निदेशक इग्नू ने कहा कि लोकतंत्र में बहुमत का महत्व होता है लेकिन यदि किसी बात या कानून से एक जनसमूह या एक व्यक्ति की भी असहमति हो तो उस पर पुनर्विचार करना सरकार का दायित्व होता है। इस सत्र में डॉ. अब्दुल रशीद आगा, डॉ. शेरा बानो, डॉ. दीपक वर्मा, सुनीता, मुजमिल, काव्यश्री, कनिका जैन सहित 15 अन्य प्रतिभागियों ने देश के भिन्न भिन्न स्थानों दिल्ली, कनाटक कर्नाटक, आंध्रा, उड़ीसा, राजस्थान से कॉन्फ्रेंस की मुख्य थीम राइटिंग इन रिस्ट्रिक्टेड स्पेसेस व इससे संबंधित विषयों पर अपने पेपर प्रस्तुत किए।